

## Who can apply?

Any person who wish to start agribusiness in the potential areas of Animal Husbandry can attend this entrepreneurship development programme.

## How to apply?

Interested candidates may apply Online by filling up the application form through the link given below. Training Fee of **Rs.7500/-** per participant will be charged. Participants have to pay training fee only through **Bank Transfer**.

**Name of Beneficiary– I.C.A.R Unit IVRI  
Izatnagar**

**Bank Name – SBI Bank**

**A/c Number – 10148035293**

**IFSC Code – SBIN0007027**

**Branch Name – CARI Branch, Bareilly**

Apply online through this link  
<https://bit.ly/3HFRalh>

**Note: Registration Fee will not be refundable.**

- Working Lunch & Session Tea will be provided
- Limited accommodation will be provided on payment basis at IVRI International Guest House (IGH).
- IGH: Non-AC room @Rs.300/bed/day



*For more details, visit us on*

**Website:** <http://www.ivri.nic.in/>

**Email-id:** [abicentreivri@gmail.com](mailto:abicentreivri@gmail.com)

## Programme Coordinator

**Dr. G.K. Gaur**

In-charge, LPM Section

ICAR-IVRI, Izatnagar,

Ph.: 9457366190

Email-id: [gyanendrakg@gmail.com](mailto:gyanendrakg@gmail.com)

**Dr. Bablu Kumar**

PI-ABI, PS-Division of Biological Products

ICAR-IVRI, Izatnagar

Ph.: 7906167948

Email-id: [babbacteriol@gmail.com](mailto:babbacteriol@gmail.com)



*For registration and more details,  
please contact to*

**Mr. Suresh Kumar**

Office Assistant, ABI Centre

ICAR-IVRI, Izatnagar

Ph.: 9634715502



# Entrepreneurship Development Programme on Pig Production



**Date: 13<sup>th</sup> to 17<sup>th</sup> March, 2023**

**Organized by  
Agri-Business Incubation (ABI)  
Centre &  
Livestock Production and  
Management Section**



*Certificate will be  
Provided*



## About IVRI

Established in 1889, the ICAR-Indian Veterinary Research Institute (IVRI) is one of the premier research institutions dedicated to livestock research and development of the region. Today, the institute with its deemed to be university status contributes immensely to human resource development in the discipline of veterinary sciences with skills and knowledge necessary for the challenges of the new millennium.

## Objectives

- Development of entrepreneurs through intensive pig farming.
- Skill development in the field of pig production.
- Employment generation for literate youth.

## Course covers

- Selection & Procurement
- Identification & Record Keeping
- Feeding & Management
- Breeding
- Restraining & First Aid
- Hygiene to prevent and Control Diseases
- Financing, Insurance & Economics of Pig Production

## Landy: A Crossbred Pig

This developed variety of pig can be reared in all type of management conditions and can be fed with low cost feed resources with a good growth rate and standard litter size. Therefore, this can be used by the farmers for backyard piggery, small unit piggery (5-20 pigs) farms as well as large commercial units.

## Specialties

Landy is specifically characterized by

- High growth rate (480gm/day post wean)
- Less time for marketability (100 kg at 8M)
- Standard litter size at weaning (7-8)
- Two farrowing per year
- Good performance in North India
- Balanced body (neither wrinkle nor excess fat)
- Acceptable to all range of pig farmers



**Last date to registration:  
10<sup>th</sup> March, 2023**

**Apply online through this link  
<https://bit.ly/3HFRalh>**



## Faculty

- Dr G K Gaur, Principal Scientist
- Dr Mukesh Singh, Principal Scientist
- Dr Rupasi Tiwari, Principal Scientist
- Dr Bablu Kumar, Principal Scientist
- Dr S E Jadhav, Principal Scientist
- Dr Anuj Chauhan, Senior Scientist
- Dr H O Pandey, Senior Scientist
- Dr Dinesh Kumar, Senior Scientist
- Dr U K De, Senior Scientist
- Dr M K Patra, Senior Scientist
- Dr Ayon Tarafdar, Scientist
- 



## कौन आवेदन कर सकता है?

कोई भी व्यक्ति जो पशुपालन के संभावित क्षेत्रों में कृषि व्यवसाय शुरू करना चाहता है, वह इस उद्यमिता विकास कार्यक्रम में भाग ले सकता है।

## आवेदन कैसे करें?

इच्छुक उम्मीदवार नीचे दिए गए लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। प्रशिक्षण शुल्क **₹. 7500/-** प्रति प्रतिभागी लिया जाएगा। प्रतिभागियों को बैंक ट्रांसफर के माध्यम से प्रशिक्षण शुल्क का भुगतान करना होगा।

**खाता धारक** : I.C.A.R Unit IVRI Izatnagar

**बैंक नाम** : SBI Bank

**खाता संख्या** : 10148035293

**शाखा का नाम**: CARI Branch, Bareilly (U.P)

**IFSC कोड** : SBIN0007027

इस लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करें

<https://bit.ly/3HFRalh>

**नोट: पंजीकरण शुल्क जमा करने के बाद वापस नहीं किया जाएगा**

- कार्यक्रम के दौरान मध्याह्न भोजन और सत्र चाय प्रदान की जायेगी।
- आवास**: आईवीआरआई के इंटरनेशनल गेस्ट हाउस (IGH) में भुगतान आधार पर सीमित कमरे उपलब्ध हैं।
- IGH** : नॉन एसी रूम ₹. 300/बेड/दिन



अधिक जानकारी के लिए नीचे दी गयी वेबसाइट पर क्लिक करें

**वेबसाइट** : <http://www.ivri.nic.in>  
**ईमेल** : [abicentreivri@gmail.com](mailto:abicentreivri@gmail.com)

## कार्यक्रम समन्वयक

**डॉ जी. के. गौड़**

प्रभारी- एलपीएम अनुभाग

भा0कृ0अनु0प0-भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर

दूरभाष: 9457366190

ईमेल: [gyanendragk@gmail.com](mailto:gyanendragk@gmail.com)

**डॉ बबलू कुमार**

पी आई / एग्री बिज़नेस इन्व्यूबेशन केंद्र

भा0कृ0अनु0प0- भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर

दूरभाष: 7906167948

ईमेल: [babbacteriol@gmail.com](mailto:babbacteriol@gmail.com)



**पंजीकरण और अधिक जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें**

**श्री सुरेश कुमार**

कार्यालय सहायक, ऐ.बी.आई. केन्द्र

भाकृअनुप-आईवीआरआई

दूरभाष: **9634715502**



# “शूकर पालन”

से उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम



**दिनांक: 13-17 मार्च, 2023**

एग्री - बिज़नेस इन्व्यूबेशन (एबीआई) केन्द्र  
एवम्

पशुधन उत्पादन और प्रबंधन अनुभाग

भा0कृ0अनु0प0-भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान  
इज्जतनगर

द्वारा आयोजित



**प्रमाण पत्र प्रदान  
किये जाएंगे**



## आईवीआरआई के बारे में

1889 में स्थापित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान पशुओ के लिए एक प्रमुख शोध संस्थान हैं। वर्तमान में इस संस्थान को पशुचिकित्सा विज्ञान में एक समतुल्य विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त है। यह संस्थान, पशुचिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास एवं कौशल विकास में इस शताब्दी की चुनौतियों के लिए अग्रणी भूमिका अदा कर रहा है।

### उद्देश्य

- सूकर उत्पादन के क्षेत्र में उद्यमिता विकास
- सूकर उत्पादन के क्षेत्र में कौशल विकास
- साक्षर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर

### प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अर्न्तगत

- सूकर प्रजाति
- चयन, खरीद और पहचान
- रिकॉर्ड तैयार करना
- पालन पोषण और प्रबंधन
- प्रजनन, रोग नियंत्रण
- प्राथमिक चिकित्सा, स्वच्छता
- वित्तपोषण, बीमा एवं सूकर पालन का अर्थशास्त्र इत्यादि विषय पर गहन जानकारी प्रदान की जायेगी।

## लैंडली: एक संकर प्रजाति सूकर

इस प्रजाति के विकसित विविध प्रकार के सूकरों को सभी प्रकार की स्थितियों में पाला जा सकता है। इन्हें कम खाद्य लागत के संसाधनों के साथ खिलाया जा सकता है। इनकी वृद्धि भी अच्छी रहती है और इनके बच्चों का आकार भी सामान्य रहता है। इसलिए इनका उपयोग घर के पिछवाड़े सूकर पालन उद्योग की छोटी इकाईयों जिसमें लगभग 5-20 सूकरों तथा साथ ही साथ बड़ी वाणिज्यिक इकाईयों के रूप में भी किया जा सकता है।

### लैंडली की विशेषताये निम्न प्रकार हैं

- उच्च वृद्धि दर (480 ग्राम प्रतिदिन दूध छोड़ने के बाद)
- कम समय में बेचने के लिए योग्य (100 किग्रा०-8 माह में)
- दूध छोड़ने के समय पर सूकरों की संख्या (7-8)
- एक साल में दो बार बच्चे देना
- उत्तर भारत में अच्छा प्रदर्शन
- संतुलित शरीर (न झुर्रियां न ज्यादा वसा)
- समस्त प्रकार के सूकर पालकों को स्वीकार्य



पंजीकरण की अंतिम तिथि:  
10 मार्च, 2023

इस लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करें

<https://bit.ly/3HFRalh>



### वैज्ञानिक/ संकाय

- डा० जी० के० गौड़, प्रधान वैज्ञानिक
- डा० मुकेश सिंह, प्रधान वैज्ञानिक
- डा० रूपसी तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक
- डा० बबलू कुमार, प्रधान वैज्ञानिक
- डा० एस० ई० जाधव, प्रधान वैज्ञानिक
- डा० अनुज चौहान, वरिष्ठ वैज्ञानिक
- डा० एच० ओ० पाण्डे, वरिष्ठ वैज्ञानिक
- डा० दिनेश कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक
- डा० यू०के० डे०, वरिष्ठ वैज्ञानिक
- डा० एम० के० पात्रा, वरिष्ठ वैज्ञानिक
- डा० आयोन तरफदार, वैज्ञानिक

